भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

07.08.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2646 का उत्तर

उदयपुर सिटी रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास/सुधार

2646. डॉ. मन्ना लाल रावत:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का उदयपुर सिटी रेलवे स्टेशन और राणा प्रताप नगर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास/सुधार हेतु किसी योजना का प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो इस पर की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास/सुधार कार्य हेतु अब तक कार्य-वार कितनी निधि आवंटित की गई है; और

(घ) उक्त कार्य कब तक पूरा होने की संभावना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

उदयपुर सिटी रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास/सुधार के संबंध में दिनांक 07.08.2024 को लोक सभा में डॉ. मन्ना लाल रावत के अतारांकित प्रश्न सं. 2646 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ): भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों के विकास हेतु रेल मंत्रालय ने 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है।

इस योजना में प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर आवश्यकता को देखते हुए रेलवे स्टेशनों पर सुविधाओं जैसे रेलवे स्टेशन तक पहुंच मार्ग में सुधार, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामोदिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुख-सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल है।

इस योजना में लंबी अवधि के दौरान आवश्यकतानुसार स्टेशन भवन में सुधार, रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों आदि की व्यवस्था करना, चरणबद्ध कार्यान्वयन तथा व्यवहार्यता आकलन, संपत्ति के विकास क्षेत्रों की पहचान करना एवं सिटी सेन्टरों के सृजन की परिकल्पना की गई है।

अब तक, विकास के लिए 1324 रेलवे स्टेशनों की पहचान की गई है, जिनमें उदयपुर सिटी और राणा प्रताप नगर रेलवे स्टेशन शामिल हैं।

उदयपुर सिटी रेलवे स्टेशन पर निविदाएं आबंटित कर दी गई हैं और पूर्वी दिशा की ओर स्टेशन बिल्डिंग का संरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है। पश्चिमी दिशा की ओर, बेंसमेंट का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है। इसके अलावा, सभास्थल का प्रावधान, बिल्डिंग का परिसज्जन, पश्चिमी दिशा की ओर स्टेशन बिल्डिंग का संरचनात्मक कार्य, परिचलन क्षेत्र आदि का कार्य शुरू कर दिया गया है।

राणा प्रताप नगर रेलवे स्टेशन के लिए निविदाएं आवंटित की जा चुकी हैं और स्टेशन बिल्डिंग, प्रवेश स्थान, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, प्लेटफार्मों आदि के सुधार का कार्य शुरू कर दिया गया है।

सामान्यतः, रेलवे स्टेशनों के विकास और अनुरक्षण के लिए निधियों के आवंटन का ब्यौरा योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि राज्य/केंद्र शासित प्रदेश-वार अथवा स्टेशन-वार। उदयपुर सिटी और राणा प्रताप नगर रेलवे स्टेशन उत्तर पश्चिम रेलवे जोन के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। चालू वर्ष 2024-25 के लिए, योजना शीर्ष 53 के अंतर्गत उत्तर पश्चिम रेलवे को 748.21 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें रेलगाड़ियों और यात्रियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों जैसे दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन आदि के संबंध में स्वीकृतियां अपेक्षित होती हैं। इनकी प्रगति का कार्य ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों जैसे बाधक जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं); अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन; उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण लगाए गए प्रतिबंधों आदि के कारण प्रभावित होता है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अतः, इस स्तर पर कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

*****